सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindi-

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 15 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 333, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड कानपुर में सामूहिक विवाह आयोजन में बड़ा घोटाला... Pg03

» Pg12 स

लग्जरी लाइफ, विदेश यात्रा का झांसा देकर करोड़ों हड़पे

कैनविज का महाठग्गू कन्हैया गुलाटी फरार

सपने दिखाकर लोगों को 18 साल से फंसाते रहे, एचीवर बने मोहरे, मास्टरमाइंड अंडरग्राउंड, लखनऊ से जुड़े तार

बरेली का नटवरलाल

» अनूप अवस्थी, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। बरेली में निवेशकों से करोड़ों रुपये ठगने के आरोपी कैनविज कंपनी के मालिक कन्हैया गुलाटी और उसके सहयोगियों ने हॉलिडे पैकेज समेत अन्य लुभावनी योजनाओं को हथियार बनाकर अपने मंसूबों को अंजाम दिया। गुलाटी, उसकी कंपनी के सीईओ लखनऊ निवासी आशुतोष श्रीवास्तव और पांच लायंस (खास सहयोगी) ने जमकर मलाई काटी। इनमें से कई ने कंपनी को डूबते देखकर किनारा कर लिया। एसआईटी की जांच में इनके राज सामने आ सकते हैं।

कैनविज समूह ने लोगों को ठगी का शिकार बनाने के लिए एचीवर्स का मायाजाल फैला रखा था। ग्रुप की वेबसाइट पर इनके बारे में सारी जानकारी मौजूद हैं। निवेश के जरिये मुनाफे का झांसा देकर यह ग्रुप लोगों को रियल एस्टेट, विदेशों में होली डे पैकेज और लग्जरी कार समेत तमाम तरह के लुभावने सपने दिखाकर चूना लगाता था। इसका भंडाफोड़ होने के बाद ग्रुप का एमडी कन्हैया गुलाटी समेत उसके परिवार के सभी सदस्य अंडरग्राउंड हो गए हैं।

कन्हैया गुलाटी के कैनविज ग्रुप ने करीब 18 साल से ठगी का मकड़जाल फैला रखा था। लोगों को ठगी का शिकार बनाने के लिए कैनविज इंडस्ट्रीज, कैनविज रिजॉर्ट मोटेल, कैनविज इंफ्रा इंडिया, कैनविज डेवलपर्स एंड इंफ्रास्टक्चर्स, कैनविज स्टोर समेत कई तरह की कंपनियां बनाकर लोगों को निवेश के जरिये मुनाफे के झांसे दिखाए जाते थे।

लोगों की रकम से विदेशों में किया निवेश, खोले स्टोर

कैनविज ग्रुप की ओर से तमाम शहरों में स्टोर भी खोले गए। स्टोर भी किसी एचीवर को दिया गया लेकिन वहां उत्पाद कैनविज की कंपनी के बिकते थे। कहा जाता है कि निवेशकों की रकम से कंपनी के लोग ये उत्पाद बनाकर यहां बिक्री कराकर मुनाफा कमाते थे।चर्चा है कि कैनविज के एमडी कन्हैया गुलाटी ने विदेशों में भी निवेश किया है।

आरटीआई एक्टिविस्ट अमित मिश्रा ने जुटाए साक्ष्य

आरटीआई के जरिये फर्जीवाड़े की पोल खोलने वाले सामाजिक कार्यकर्ता अमित मिश्रा ने जो साक्ष्य जुटाए हैं, उनके मुताबिक आशुतोष श्रीवास्तव ही इस कंपनी का थिंकटैंक और प्रमोटर रहा। उसने मल्टी लेवल मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए कई सेमिनार किए। लोगों को सुनहरे सपने दिखाकर कैनविज से जोड़ा। गुलाटी ने आशुतोष को कंपनी का सीईओ बना रखा था। हालांकि, विभागीय लिखापढ़ी व अन्य मामलों में गुलाटी ही कंपनी का सर्वेसर्वा रहा। आशुतोष के साथ ही लखनऊ निवासी रंजीत वर्मा, राकेश पांडेय व अरशद सईद खान, झांसी निवासी नितिन श्रीवास्तव व शाहजहांपुर निवासी राजीव सिंह कैनविज की चेन में शिखर पर रहे। ये प्रतिमाह लाखों रुपये कमीशन पाते थे। इन सभी को गुलाटी ने कैनविज के लायंस (शेर) का खिताब दे रखा था। सेमिनारों में ये लोग अक्सर लग्जरी गाड़ियां पाते थे और आम सदस्यों को प्रोत्साहित करते थे कि वह अपने नीचे लोगों को जोड़ें। बैठे-बिठाए इन लोगों के बैंक खाते में हर महीने मोटी रकम आती रहती थी।

गुलाटी और उसकी कंपनी ने ठगी के लिए हॉलिडे पैकेज को हथियार बनाया। वह महंगे होटलों में सेमिनार कर बेरोजगार युवाओं को शिकार बनाते थे। उन्हें कंपनी का सदस्य बनाने के लिए कई उत्पाद बताए जाते थे। हालांकि नए सदस्य की एंट्री हॉलिडे पैकेज के साथ कराने पर जोर रहता था। हॉलिडे पैकेज सभी उत्पादों में सस्ता होता था। बेरोजगार युवा यह पैकेज खरीदकर कंपनी का सदस्य बन जाते थे।

769 लोग सामने आए, 26 करोड़ का आंकड़ा और ये तो सिर्फ शुरुआत

अब तक लगभग 769 पीड़ित, जिनसे 26 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी सामने आ चुकी है। सिर्फ प्लॉट मामले में 3000 प्लॉट बेचकर 60 करोड़ वसूले जाने के आरोप हैं। कई दूसरी योजनाओं में भी यही तरीका वादे करो, पैसा लो, विकास मत करो, फोन बंद करो, ऑफिस बंद करो।

लगातार बढ़ रहीं शिकायतें, पुलिस का शिकंजा कसना शुरू

लगातार एफआईआर, बढ़ती शिकायतें और पीड़ितों का संगठन कैनविज विक्टिम एसोसिएशन अब पुलिस तेजी से शिकंजा कस रही है। सभी मामलों को जोड़कर बड़ा केस तैयार किया जा रहा है। कन्हैया गुलाटी पर जिस पैमाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए यह साफ हो चुका है बरेली ने अब तक का सबसे बड़ा रियल एस्टेट और निवेश घोटाला झेला है। पीड़ितों की संख्या और रकम हर दिन बढ़ रही है।

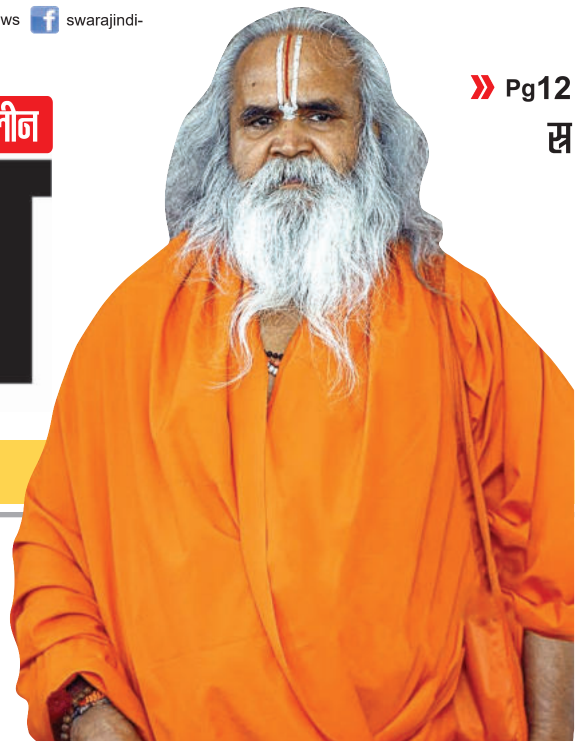

राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख स्तंभ डॉ. वेदांती जी महाराज ने ली अंतिम सांस

कल अयोध्या में दी जाएगी जल समाधि

» शोकाकुल संत समाज, अंतिम यात्रा कल सुबह हिंदू धाम आश्रम से निकाली जाएगी।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि न्यास के संस्थापक सदस्य, संत समाज के गौरव एवं पूर्व सांसद डॉ. श्रीराम विलास दास वेदांती जी महाराज के गोलोक वास से अयोध्या सहित संपूर्ण संत समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। मध्य प्रदेश के रीवा जनपद में प्रवास के दरमियान कल अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई थी। स्थानीय एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। जहां उनका सोमवार को निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर अयोध्या लाया जा रहा है। यहां मंगलवार को सरयू में जल समाधि दी जाएगी। सीएम योगी समेत तमाम नेताओं ने वेदांती के निधन पर गहरा दुख जताया है। उनके महाप्रयाण से रामभक्तों, श्रद्धालुओं और अनुयायियों में गहरा दुख व्याप्त है।

डॉ. वेदांती जी महाराज का जीवन रामभक्ति, धर्म, राष्ट्र और सनातन संस्कृति को समर्पित रहा। वे राम जन्मभूमि आंदोलन के कठिन दौर में निर्भीक नेतृत्व करने वाले प्रमुख स्तंभ रहे। महाराज जी के उत्तराधिकारी एवं वशिष्ठ पीठाधीश्वर डॉ. राघवेश दास वेदांती जी महाराज ने बताया कि पूज्य महाराज का पार्थिव शरीर रीवा से अयोध्या लाया जा रहा है। अंतिम यात्रा मंगलवार को प्रातः 10:30 बजे के बाद अयोध्या स्थित हिंदू धाम आश्रम से निकाली जाएगी, जिसमें देशभर से संत-महात्मा एवं श्रद्धालु शामिल होंगे। संत समाज ने उनके निधन को अयोध्या के धार्मिक इतिहास की अपूरणीय क्षति बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएम योगी आदित्यनाथ एक्स पर पोस्ट कर लिखा- श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख स्तंभ, पूर्व सांसद एवं श्री अयोध्या धाम स्थित वशिष्ठ आश्रम के पूज्य संत डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज का गोलोकगमन आध्यात्मिक जगत और सनातन संस्कृति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उनका जाना एक युग का अवसान है। धर्म, समाज व राष्ट्र की सेवा को समर्पित उनका त्यागमय जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है।

रिटायर्ड दरोगा ने अपनी बेटी का किया कत्ल, नदी में फेंकी लाश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

आगरा। रिटायर्ड दरोगा रणवीर यादव ने अपनी 33 वर्षीय बेटी अंशु की हत्या कर दी। इसके बाद पत्नी और बेटे के साथ मिलकर शव को इटावा में यमुना नदी में फेंक दी थी। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह एक रिश्तेदार फिरोजाबाद के अनुराग यादव से प्रेम करती थी। पिता शादी के विरोध में था। बेटी ने 24 अक्तूबर की रात सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने प्यार का इजहार कर दिया था।

इसी के चलते अगले दिन सुबह पिता ने उसका गला दबा कर हत्या कर गुमशुदगी दर्ज करा दी। जिन कपड़ों में फोटो पुलिस को दिया मरते वक्त अंशु वही कपड़े पहने थी। पुलिस ने जब दबाव बनाया तो पिता इटावा में नदी किनारे शव बरामद करने गया। कई दिन की मशक्कत के बाद पुलिस को एक कंकाल और कुछ कपड़े मिले। कपड़ों से पुलिस को कंकाल अंशु का होने की पुष्टि हो गई। इपुलिस ने हत्यारे पिता,उसके बेटे और रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है। शव ठिकाने लगाने में मददगार मां को पुलिस तलाश कर रही है।

केडीए-कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को 72 वर्ग मीटर का प्लॉट आवंटित

» 52 साल में पहली बार ई-लॉटरी से केडीए में हुआ प्लॉटों का आवंटन

» प्रमुखता संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। केडीए में पारदर्शिता की सोमवार को नई मिसाल दिखी । 52 साल में पहली बार ई-लॉटरी से हुआ आवासीय प्लॉटों का आवंटन, विधायक कोटे से योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को 72 वर्ग मीटर का प्लॉट एलाट किया गया। कानपुर विकास प्राधिकरण के इतिहास में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। केडीए ने 52 साल में पहली बार ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से आवासीय योजना के प्लॉटों का आवंटन किया। दक्षिणी क्षेत्र की अर्रा-बिनगवां एक्सटेंशन आवासीय योजना के प्लॉटों की ई-लॉटरी आज आयोजित की गई, जिसमें पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी रखा गया।

आज सुबह केडीए परिसर स्थित अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागार में कंप्यूटर आधारित विशेष सॉफ्टवेयर के जरिए एक क्लिक में आरक्षण श्रेणी के अनुसार सभी प्लॉटों का आवंटन किया गया।

इस दौरान पूरी लॉटरी प्रक्रिया का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे आवेदकों सहित आम लोगों ने अपने मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट के माध्यम से देखा ।इस योजना के तहत 72 वर्ग मीटर का एक प्लॉट विधायक कोटे से कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को एलाट किया गया है।

केडीए की ओर से इस आवंटन को भी स्पष्ट रूप से सार्वजनिक किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया को लेकर पारदर्शिता बनी रहे।

वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने बताया कि केडीए ने 15 अगस्त 2025 को अर्रा-बिनगवां एक्सटेंशन योजना लॉन्च की थी। योजना में तीन श्रेणियों के कुल 140 प्लॉट शामिल थे, जिनके लिए 14 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। इस योजना को भारी प्रतिक्रिया मिली और कुल 7 हजार 325 लोगों ने आवेदन किया। इस तरह हर एक प्लॉट के लिए औसतन 52 आवेदन प्राप्त हुए।

केडीए अधिकारियों के अनुसार, ई-लॉटरी के जरिए निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आवंटन सुनिश्चित किया गया है।

स्क्रीन साझा करके पूरी प्रक्रिया को लाइव दिखाया गया, जिससे किसी भी प्रकार के सवाल या संदेह की गुंजाइश न रहे ।केडीए द्वारा पहली बार अपनाई गई ई-लॉटरी व्यवस्था को पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

सभी आवंटनों को सार्वजनिक रूप से दिखाए जाने से आम जनता का भरोसा केडीए की कार्यप्रणाली पर और मजबूत हुआ है। इस मौके पर सचिव अभय पांडे, टीपी मनोज कुमार यादव, ओएसडी सत शुक्ल सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

इस योजना में श्रेणीवार आवंटित होने वाले प्लॉटों का विवरण

प्लॉट का प्रकार
संख्या क्षेत्रफल
कीमत (प्रति वर्गमीटर)
7 टाइप-बी
31 72
28,700 रुपये
टाइप-सी 101 60
28,700 रुपये
टाइप-डी 08 50

कलेक्ट्रेट परिसर के निरीक्षण में एडीएम सिटी को मिली गंदगी

» प्रमुखता संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कलेक्ट्रेट परिसर के औचक निरीक्षण में एडीएम सिटी को काफी अव्यवस्थाएं मिलीं। शौचालय में गंदगी, स्टोर रूम में पुरानी फाइलें जबरन ठूसी हुई, टूटे टाइल्स, लटके तार और बिजली घर में भी अन्य सामान रखा मिला। एडीएम सिटी ने दो दिन का अल्टीमेटम नाजीर विभाग को दिया है। एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि परिसर के बाहर और अन्दर का निरीक्षण किया गया। यहां काफी गंदगी मिली, शौचलय के नल ठीक नहीं मिले, तार लटकते, कुछ स्थानों में टाइल्स टूटे मिले। विभाग के अफसरों को दो दिन का समय दिया गया है, यदि सब ठीक नहीं मिलता है तो प्रतिकूल प्रविष्टि की कार्रवाई की जाएगी।

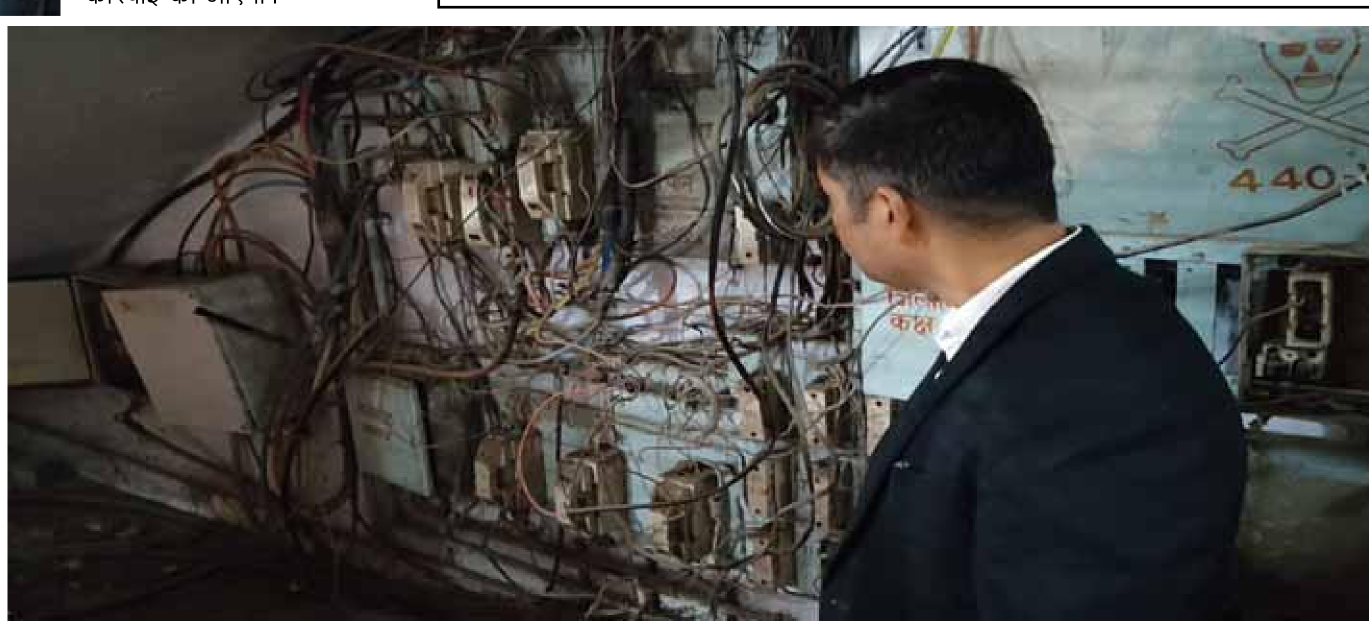

कानपुर में सामूहिक विवाह आयोजन में बड़ा घोटाला

खाने से लेकर लड्डुओं तक में भारी कटौती, जांच में खुली पोल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गुरुवार को आयोजित 551 जोड़ों के सामूहिक विवाह और निकाह का भव्य आयोजन अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ गया। आयोजन के दौरान रसगुल्लों के लिए मची अफरा-तफरी के बाद अब जो तथ्य सामने आए हैं, उन्होंने पूरे कार्यक्रम की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार आयोजन में 15 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था के लिए टेंडर दिया गया था, लेकिन जांच में सामने आया कि संबंधित फर्म ने महज 5 हजार लोगों के लिए ही खाना तैयार किया। जैसे ही भोजन कम पड़ने की खबर फैली, खाने के स्टॉलों पर लोग टूट पड़े। हालात इतने बिगड़ गए कि बड़ी संख्या में लोग बिना खाना खाए ही लौटने को मजबूर हो गए।

यही नहीं, प्रत्येक जोड़े को 10 किलो लड्डू की डलिया देने का प्रावधान था, लेकिन हकीकत में सिर्फ 3 किलो लड्डू ही वितरित किए गए। इस कटौती से नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों में भारी नाराजगी देखी गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम सिटी डॉ राजेश कुमार की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि भोजन जानबूझकर कम बनाया गया। हैरानी की बात यह है कि दो फर्मों को लगभग ढाई करोड़ रुपये के टेंडर दिए जाने के बावजूद व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गईं।

हालांकि अब तक टेंडर प्रक्रिया और भुगतान से जुड़े बिंदुओं की विस्तृत जांच नहीं हुई है, लेकिन प्रारंभिक निष्कर्ष भ्रष्टाचार और लापरवाही की ओर साफ इशारा कर रहे हैं। प्रशासन

का कहना है कि आगे की जांच जारी है और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।सवाल यह है कि इतने बड़े सामाजिक आयोजन में न तो समय रहते निगरानी की गई और न ही मौके पर जिम्मेदार अधिकारियों ने व्यवस्था संभालने की कोशिश की। सामूहिक विवाह जैसे संवेदनशील और सम्मानजनक आयोजन में इस तरह की अनियमितताएं न केवल गरीब परिवारों की उम्मीदों को तोड़ती हैं, बल्कि सरकारी योजनाओं की विश्वसनीयता पर भी गहरा आघात करती हैं।मामले में डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन सीयूजी नंबर से कॉल रिसीव नहीं हुई।

पुलिस बनी मूकदर्शक, महिलाओं ने युवती को बीच सड़क पीटा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सीसामऊ थाने के गेट पर रविवार दोपहर सरेराह तीन महिलाओं ने युवती को गिराकर पीटा। उसे बाल से पकड़कर खींचा। वाईपर की रॉड और लात घूसों से मारा। इस दौरान थाने के तीन दरोगा मूकदर्शक बने मौके पर मौजूद रहे। युवती को बचाने के बजाय महिलाओं से ही उसे थाने ले जाने का आदेश देने लगे। युवती मानसिक अस्वस्थ बताई जा रही है। वहीं, लोगों ने इसका वीडियो बनाया तो पुलिस ने उनके साथ भी अभद्रता कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हरकतों से मानसिक अस्वस्थ लग रही युवती बीते तीन दिन से द्वारिकापुरी क्षेत्र में टहल रही थी। वह हाथ में डंडा लेकर

घूमती और कई बार राहगीरों को मार भी देती। रविवार सुबह सीसामऊ थाने से सटे नित्येश्वर शिव मंदिर जा पहुंची। उसने श्रद्धालुओं को डंडा मार दिया। दर्शनपुरवा निवासी पुजारी रवि कुमार तिवारी के विरोध पर उनसे भी अभद्रता की। इस बीच भीड़ जुट गई।

थाने के तीन दरोगा भी आ गए। तभी भीड़ से निकली तीन महिलाओं ने युवती को बाल पकड़कर जमीन पर गिराकर पीटा। मौके पर मौजूद पुलिस ने घटना का वीडियो बना रहे लोगों से अभद्रता शुरू कर दी। अंत में थाने से एक महिला पुलिस कर्मी को बुलवाकर युवती को महिलाओं से छुड़वाया।

संवेदनहीनता हुई उजागर तो भड़के दरोगा

मूकदर्शक बनकर खड़े दरोगाओं की संवेदनहीनता का एक युवक ने वीडियो बनाया तो वह भड़क उठे। गालियां देते हुए धक्का मारकर मोबाइल छीनने और वीडियो डिलीट करने की कोशिश की और जेल भेजने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत की है।जिन दरोगाओं के सामने घटना हुई है उन्होंने महिला सिपाही या महिला दरोगा को क्यों नहीं बुलाया, इसकी जांच कराई जाएगी। युवती फर्रुखाबाद की है। उसके भाई के अनुसार वह मानसिक रूप से बीमार है। उसका इलाज चल रहा है।-

आशुतोष कुमार
जेसीपी लॉ एंड ऑर्डर

पूर्व चौकी इंचार्ज समेत प्रधान का मोबाइल हैक

सावधान रहें! एक क्लिक में लुट सकती है जिंदगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। व्हाट्सएप पर इन दिनों साइबर ठगों ने लोगों को फंसाने का बेहद खतरनाक और शर्मनाक तरीका अपनाया है। पहले ग्रुप या निजी चैट के ज़रिए मोबाइल फोन को हैक कराया जा रहा है, इसके बाद बेड पर अलग-अलग एंगल से लेटी युवतियों की अश्लील तस्वीरें भेजी जाती हैं। इसके साथ ही मैसेज आता है। (डाउनलोड द ऐप, कम ऑन लाइव सेक्स, फुल एचडी वीडियो और एक पीडीएफ) फाइल या लिंक भेज दिया जाता है।

जैसे ही कोई व्यक्ति लालच या जिज्ञासा में आकर उस लिंक या पीडीएफ फाइल को डाउनलोड करता है, उसका मोबाइल फोन हैक हो जाता है। इसके बाद बैंक खातों की जानकारी, ओटीपी, निजी फोटो-वीडियो और अन्य महत्वपूर्ण डेटा साइबर ठगों के हाथ लग जाता है। कई मामलों में पीड़ित के ही मोबाइल नंबर से वही आपत्तिजनक मैसेज और लिंक अन्य लोगों को अपने आप फॉरवर्ड होने लगते हैं।

रविवार शाम को बिल्हौर क्षेत्र के कई व्हाट्सएप ग्रुपों में इस तरह की गतिविधि सामने आई, जिससे हड़कंप मच गया। सबसे पहले जो इस जाल में फंसे वो कभी मकनपुर चौकी इंचार्ज रह चुके हैं। इसके बाद ग्राम प्रधान इलियासपुर विपिन कटियार फिर कस्बे के एक व्यापारी अशोक भी इस डिजिटल ठगी के जाल में फंस चुके हैं। पीड़ितों को तब ठगी का अहसास हुआ, जब उनके मोबाइल से अनजाने में लगातार मैसेज आगे भेजे जाने लगे। पीड़ित ग्राम प्रधान ने बताया कि ग्रुप पर मकनपुर चौकी इंचार्ज रह चुके रमाकांत का अश्लील मैसेज आया। धोखे से पीडीएफ डाउनलोड हो गई। फिर इसके बाद व्हाट्सएप बंद हो गया। मकनपुर चौकी पर शिकायत करने जा रहे हैं। अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने बताया कि अभी तक इस मामले की कोई जनाकारीनही है।

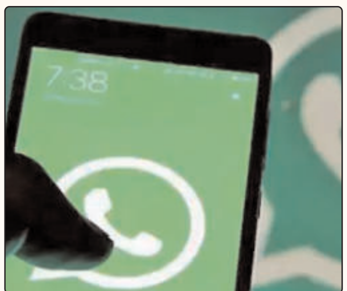

लुप लुप करने के बाद बंद हो गया व्हाट्सएप

उधर अशोक ने बताया कि सुबह चाय पी रहे थे। मैसेज देखकर अपने आप पीडीएफ फाइल खुल गई फिर लुप लुप हुआ और व्हाट्सएप बंद हो गया। प्ले स्टोर भी काम नहीं कर रहा है। थाने में शिकायत करने आए हैं।

साइबर ठगों का दिमाग पर हमला, फिर डेटा की लूट

शातिर साइबर ठगों ने इस बार लोगों के दिमाग पर सीधा हमला बोला है। बेड पर अलग-अलग एंगल में लेटी युवतियों की आपत्तिजनक तस्वीरें जानबूझकर इस तरह भेजी जा रही हैं कि नज़र ठहर जाए और अक्ल फिसल जाए। मन में लालच जागे, जोश बढ़े और होश पर पर्दा पड़ जाए। बस इसी एक पल की चूक को साइबर ठग अपनी कमाई का ज़रिया बना लेते हैं। तस्वीरों के साथ भेजे गए लिंक या पीडीएफ जैसे ही खोले जाते हैं, मोबाइल फोन ठगों की पकड़ में चला जाता है। इसके बाद निजी जिंदगी उनके कब्ज़े में और बैंक से लेकर डिजिटल पहचान तक खतरे में पड़ जाती है। हालांकि ताज़ा मामलों में जिन तीन लोगों के मोबाइल हैक किए गए हैं, उनके बैंक खाते फिलहाल सुरक्षित बताए जा रहे हैं, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है।

अकाडिया इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मना वार्षिक समारोह

उत्साह से लबरेज बच्चे, जमकर थिरके

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर स्थित आकाडिया इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को वार्षिक समारोह स्पेक्ट्रम-2 हर्षोल्लास और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ उपजिलाधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित ने विद्यालय के संस्थापक हरिकिशोर मिश्रा एवं गीता मिश्रा के साथ दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर अभिभावकों और विद्यालय स्टाफ ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि डॉ. संजीव दीक्षित ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अनुशासन में रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ अनुसंधान और नवाचार की भावना बचपन से विकसित होना आवश्यक है, जिससे विद्यार्थी भविष्य में बेहतर मुकाम हासिल कर सकें।

समारोह के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कानपुर ग्रामीण प्रेस क्लब अध्यक्ष अनिल अग्निहोत्री, भाजपा कानपुर पूर्व ग्रामीण जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला, अभिषेक मिश्रा, अभिजीत मिश्रा, आशुतोष मिश्रा, मोहित सिंह, सहित कई लोग मौजूद रहे।

शिवराजपुर कस्बे में सड़क हादसा, सफाई कर्मचारी की ईलाज के दौरान मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर सर्किल के शिवराजपुर कस्बे में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बंधन मोड़ के पास चौबेपुर की ओर जा रही बाइक को एक तेज रफ्तार टेंपो ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घायल रानेपुर निवासी गुड्डू और कानपुर निवासी हैप्पी को तुरंत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के दौरान गुड्डू की गंभीर हालत देख उन्हें हैलट अस्पताल, कानपुर रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान गुड्डू की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गुड्डू शिवराजपुर ब्लॉक में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे और वर्तमान में कानपुर में रह रहे थे। हादसे के समय वह सुबह अपनी ड्यूटी के लिए बाइक से शिवराजपुर आ रहे थे। उनके साथ सवार हैप्पी जो ब्लॉक गेट के पास मेडिकल स्टोर चलाते हैं, अपनी दुकान पर जा रहे थे।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि तेज रफ्तार टेंपो ने अचानक बाइक में टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को एंबुलेंस के जरिए सीएचसी पहुंचाया। जहां से उन्हें कानपुर रेफर किया गया। गुड्डू की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने टेंपो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईवे पर भीषण हादसा: ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार, एक की मौत, दूसरा घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर अरौल थाना क्षेत्र के बकोठी गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के चलते हाईवे पर करीब 50 मिनट तक यातायात बाधित रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कन्नौज की ओर से कानपुर जा रही कार बकोठी गांव के सामने ओवरब्रिज से उतरते समय सर्विस रोड से अचानक सामने आए ट्रैक्टर-ट्रॉली को ओवरटेक करने के प्रयास में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईंटों से लदी ट्रॉली पलट गई और हाईवे पर ईंटें बिखर गईं, वहीं कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कार में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेतन यादव पुत्र विष्णु दयाल, निवासी मिर्जापुर, शाहजहांपुर को मृत घोषित कर दिया। घायल सोनू यादव पुत्र शेर सिंह, निवासी छिबरामऊ, कन्नौज का इलाज जारी है।

पुलिस के अनुसार दोनों युवक काम के सिलसिले में कानपुर जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली से बिखरी ईंटों के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर करीब 50 मिनट की मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया और सड़क पर फैली ईंटें साफ कराकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने बताया प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही से किया गया ओवरटेक बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बकोठी गांव के पास हुआ एक्सीडेंट

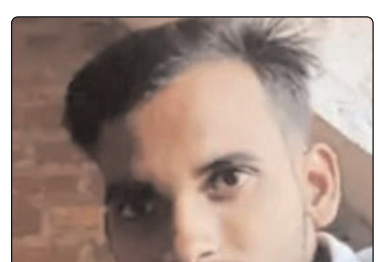

मृतक चेतक यादव

घायल सोनू

एयरबैग सिस्टम पर सवाल

भीषण टक्कर के बावजूद कार का कोई भी एयरबैग सक्रिय नहीं हुआ, जिससे सवार दोनों युवक सीधे डैशबोर्ड और स्टीयरिंग से टकरा गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि एयरबैग खुलते तो गंभीर चोटों से बचाव संभव था। हादसे के बाद वाहन की सुरक्षा प्रणाली और उसके रखरखाव को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

सम्पादकीय

रॉक गार्डन पर अदूरदर्शितापूर्ण फैसला

कला के संरक्षण के लिये नीति-नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश-दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए।यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए।

उनकी भी सोचें जिनसे किसी ने हमदर्दी नहीं जतायी

गुरबचन जगत

पंजाब से युवाओं के पश्चिमी देशों की ओर पलायन की कई लहर चलीं। बेहतर भविष्य की तलाश में वे विदेश गये क्योंकि यहां रोजगार के माकूल अवसर नहीं। ऐसे में वैध-अवैध पलायन जारी रहा। अमेरिका का इन लोगों को बेड़ियों में जकड़ना कुछ ज्यादा ही आसान रहा लेकिन देश में विदेशी मुद्रा लाने वाले इन अप्रवासियों का अपमानजनक निर्वासन और उस पर देश में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त न करना चिंताजनक है।पंजाब– पांच दरियाओं की धरती,यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो-सिख युद्ध यहीं लड़े गए - पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही है, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो।

हम शुरुआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व , गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवतः इतिहास का विशालतम जबरन पलायन।यह बड़ी उथल-पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशतः यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्व युद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है।

यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे-धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि-शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंततः सफल हुई। अकाली सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही।विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे – जलंधर (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरुआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब 'लघु आब' कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब 'पंज-आब' कहलवाने लायक नहीं रहा।

खतरे में है कश्मीर की नैसर्गिक अस्मिता

मौसम की मार

पंकज चतुर्वेदी

सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है।

बीते कुछ सालों में कश्मीर घाटी के मौसम में बदलाव यहां के नैसर्गिक पर्यावरण के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। आमतौर पर 21 दिसंबर से 29 जनवरी तक कश्मीर घाटी में चिल्लई कलां के दौरान तापमान शून्य से नीचे और भारी बर्फबारी होती है। मौसम विज्ञानियों ने भविष्यवाणी की थी कि 2024-2025 में ला नीना प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में अच्छी बरसात होगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

न बर्फ गिरी और न ही बरसात। मौसम विभाग ने पहले ही कश्मीर घाटी में जनवरी के महीने में 81 प्रतिशत कम बारिश होने के चलते अलर्ट जारी किया है। कठुआ में पिछले करीब तीन माह के दौरान क्षेत्र में इस बार पर्याप्त वर्षा न होने के कारण किसानों की फसलें सूखने के कगार पर आ गई हैं।सर्दियों में गर्मी का खेती-किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने

पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं।आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, नाशपाती और यहां तक कि सेब जैसी बागवानी फसलों पर जल्दी फूल लगने से उनका उत्पादन चक्र गड़बड़ा रहा है और अनुकूल मौसम न होने के कारण या तो फूल फल में परिवर्तित नहीं हो पा रहे या फिर बहुत कमजोर हो रहे हैं। तापमान का असर मधुमक्खी और भंवरे जैसे कीटों पर भी पड़ा है, जिससे परागण की नैसर्गिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। वैसे भी सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है। जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है केसर की खेती। बेमौसम गर्मी के कारण न तो उसकी जड़ों का विस्तार हो पा रहा है और न ही पौधे की वृद्धि।

कम बर्फबारी का सबसे दूरगामी कुप्रभाव है यहां की जल निधियों का अभी से सूखना। गांदरबल जिले की कई सरिताएं और छोटी नदियां अब सूख चुकी हैं। अनंतनाग जिले के मशहूर अचाबल तालाब में तली दिख रही है। कभी इससे 15 गांवों को पानी की आपूर्ति और कई सौ एकड़ धान के खेतों की सिंचाई होती थी। अनंतनाग जिले में वेरीनाग स्रोत में पानी का बहाव बहुत कम हो गया है। वेरीनाग से झेलम नदी निकलती है, जो घाटी के बीच से अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा और बारामूला जिलों तक बहती है और फिर पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी में मिल जाती है।

मेडिकल कॉलेज में गर्भवती महिला के साथ मारपीट, पीड़िता ने की लिखित शिकायत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रोहित यादव के नाम से एक बार फिर मेडिकल कॉलेज सुर्खियों में है। उपचार के लिए अस्पताल पहुंची आठ माह की गर्भवती महिला के साथ मारपीट का गंभीर आरोप सामने आया है।

अकबरपुर कोतवाली में दी गई शिकायत में पीड़िता रुकसार ने मेडिकल कॉलेज परिसर में अवैध वसूली और मारपीट का आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता रुकसार के अनुसार, वह आज रुटीन चेकअप और उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज गई थीं। उनके पति उस्मान भी साथ मौजूद थे। आरोप है कि मेडिकल कॉलेज में कार्यरत कर्मचारी रोहित यादव, निवासी सलावतपुर, ने मसाला खाने के नाम पर अवैध रूप से 500 रुपये की मांग की। जब उनके पति ने पैसे देने से इनकार किया तो उनके साथ मारपीट की गई और जेब से 340 रुपये जबरन निकाल लिए गए।

रुकसार का कहना है कि जब उन्होंने इस अवैध वसूली का विरोध किया तो रोहित ने मारपीट शुरू कर दी जिसका विरोध करने पर दबंग रोहित यादव ने 8यह को गर्भवती रुक्सार को लात मार दी। । लात लगने से वह मौके पर गिर पड़ीं और करीब 10 मिनट तक वहीं पड़ी रहीं, जिससे उनकी और गर्भस्थ शिशु की जान को खतरा पैदा हो गया।

पीड़िता के पति उस्मान ने आरोप लगाया कि रोहित यादव प्रचार्य की अनुमति से मेडिकल कॉलेज परिसर में रोजाना अवैध वसूली करता है। घटना के बाद से दंपति मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान हैं।

शिकायत के बाद मौके पर पहुंचीं उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने पीड़िता से मुलाकात की। उनके हस्तक्षेप पर पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया।मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने मामले में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पत्नी को शहद में जहर मिलाकर खिलाया फिर खुद खाया

एक की मौत; पति लड़ रहा जिंदगी की जंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चंदौली। चंदौली जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां शक के चलते एक पति ने अपनी पत्नी को शहद में जहर मिलाकर खिला दिया। इसके बाद आरोपी पति ने खुद भी जहरीला पदार्थ खा लिया। इस घटना में इलाज के दौरान पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे बेहतर इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

घटना अलीनगर थाना क्षेत्र के बसनी गांव की है।

बताया जा रहा है कि आरोपी पति नशे का आदी था और आए दिन पत्नी से झगड़ा करता था। इसी बीच शक के चलते उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया। जहरीला पदार्थ खाने के बाद दोनों की हालत बिगड़

गई, जिसके बाद परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि पति की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही अलीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है।

भूमाफिया-लेखपाल की जुगलबंदी करोड़ों की मिट्टी और जमीनों की खुली लूट

अवैध खनन और धमकियों के बीच लेखपाल की भूमिका पर उठे सवाल, रिश्वत लेकर फर्जी रिपोर्ट का दावा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद तहसील अंतर्गत बडागांव कपराहट गांव से भूमाफियाओं और सरकारी तंत्र की मिलीभगत का गंभीर मामला सामने आया है। गांव निवासी सुभाष त्रिवेदी ने आरोप लगाया है कि कुछ दबंग किस्म के लोग उनकी जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और इस पूरे प्रकरण में क्षेत्रीय लेखपाल की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।पीड़ित के अनुसार गाटा संख्या 251 पर उनका वैध कब्जा है, इसके बावजूद राहुल सिंह, नरेंद्र सिंह और सिंपल सिंह अपने सहयोगी गुंडा तत्वों व भूमाफियाओं के साथ मिलकर जबरन कब्जा करना चाहते हैं।

आरोप है कि इन लोगों ने ग्रामसभा की जमीन, तालाबों और अन्य सरकारी स्थलों से बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन कर सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया है। गाटा संख्या 199 (कपराहट), 96 व 105 (सिठऊपुरवा), 407 (भीखदेव) सहित कई स्थानों पर खनन किए जाने और कुछ जगहों पर अब भी यह गतिविधि जारी रहने का दावा किया गया है। सबसे गंभीर आरोप क्षेत्रीय लेखपाल योगेश कुमार पर लगाए गए हैं। पीड़ित का कहना है कि लेखपाल ने मोटी रिश्वत लेकर आरोपियों के पक्ष में फर्जी रिपोर्ट लगाई है और पूरे मामले में उनका खुला बचाव किया गया है। इससे न सिर्फ अवैध कब्जे और खनन को संरक्षण मिला, बल्कि पीड़ित की शिकायतों को भी नजरअंदाज कर दिया गया। सुभाष त्रिवेदी का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने अवैध गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाई तो उन्हें जान से मारने की धमकियां दी गईं। पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी जमीन से अवैध कब्जा तत्काल हटवाया जाए, अवैध खनन की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और लेखपाल सहित सभी दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में हडकंप मचा हुआ है और अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर आरोपों पर क्या कदम उठाता है। जबकि इस पूरे मामले पर आरोपी पक्ष की ओर से राहुल सिंह का कहना है कि उन पर लगे हुए सभी आरोप पूरी तरह से सत्य हैं यह जमीन का विवाद सन् 2009 से चल रहा है कई बार पैमाइश हो चुकी है पर पीड़ित पक्ष की जमीन मौके पर नहीं निकलती है इसलिए प्रकरण किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सका है। वहीं इस पूरे मामले पर जब लेखपाल योगेश कुमार से कारण पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि मामला उनके संज्ञान में है जांच चल रही है और उन्होंने स्वयं पर लगे आरोपों को पूरी तरह से निराधार बताया।

खनन किया गया जमीन का हिस्सा

राहुल सिंह

सिंपल सिंह

परीक्षा देने निकला छात्र लापता, नहीं लगा सुराग

कानपुर देहात। शिवली कोतवाली क्षेत्र के मैथा गांव से दसवीं का छात्र रहस्यमय ढंग से कहीं लापता हो गया। जिसके बाद उसका कोई सुराग नहीं लगा। मैथा गांव निवासी नीरज कुमार ने पुलिस को बताया कि उनका 15 वर्षीय पुत्र लकी मैथा स्थित रोहन सिंह इंटर कॉलेज में दसवीं का छात्र है।11 नवंबर को वह अर्धवार्षिक परीक्षा देने के लिए विद्यालय गया था, लेकिन विद्यालय जाने के बाद से वह अचानक कही लापता हो गया। लकी अपने साथ एक जोड़ी कपड़े, विद्यालय की आठ माह की फीस और बैंक खाते से कुछ रुपए निकालकर ले गया है। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि पिता की तहरीर पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। लापता छात्र की तलाश कराई जा रही है।

महिला को घर में घुस कर मारापीटा

पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देते हुए महिला

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के बिरहुन गांव निवासी एक महिला द्वारा मारपीट और अभद्रता का आरोप लगाए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता शीला देवी पत्नी राजेश कुमार ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। ने बताया कि वह 10 दिसंबर को सुबह अपने घर पर थी। इसी दौरान मोहल्ले के कुछ लोग उसके घर के पास आए, जिनसे किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि कहासुनी के दौरान उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और हाथापाई की स्थिति बन गई। महिला का कहना है कि इस दौरान घर में रखा कुछ सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़िता ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि तथ्यों की जांच के बाद आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

अव्यवस्था के साथ निपटाया सामूहिक विवाह समारोह

» जिला प्रशासन से लेकर ब्लॉक मुख्यालय तक के रहे अफसर फिर भी अनदेखी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना चलाकर गरीबों का दर्द बांटने का काम किया लेकिन जमीनी स्तर पर जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधि इस योजना को पलीता लगा रहे हैं। बिना मानक, बिना नियमों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह संपन्न हो रहे हैं। रसूलाबाद के असालतगंज में हुये मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में मनमानी,लापरवाही एवं अव्यवस्थाओं के चलते चर्चा में रहा। रविवार को रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत असालतगंज में स्थित एक गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 92 जोड़ों का विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें झींझक और रसूलाबाद ब्लाक के जोड़े शामिल हुए। हैरत की बात तो यह रही के पूरे कार्यक्रम में अफरा-तफरी और अव्यवस्थाओं का बोलबाला रहा। जहां आने वाले लोगों का निर्धारण नहीं किया जा सका और न ही टोकन बांटी गई। इसके चलते खाने के पैकेट भी कम पड़ गए। विवाह सम्पन्न करा रहे आचार्य परमानंद ने बताया कि सामूहिक विवाह के दौरान कई जोड़ों ने तो बिन फेरे ही एक दूसरे का हाथ थाम लिया। पूछने पर उनके परिजनों ने बताया कि विवाह पहले ही हो गया है। हमको बस योजना का लाभ लेना था। इसके अलावा कई परिवार ऐसे भी थे जिन्होंने अभी फेरे इसलिए नहीं लिए ताकि इस योजना का लाभ लेने के बाद अपने घर में कार्यक्रम करने के बाद घर या गेस्ट हाउस में फेरे लेंगे। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी सहित जिला समाज कल्याण अधिकारी मौजूद रहीं बावजूद इसके अव्यवस्थाओं का बोलबाला देखने को मिला। वहीं इस संबंध में जब खंड विकास अधिकारी व प्रभारी एडीओ पंचायत से बात करना चाहा तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। साफ तौर से अधिकारी इस पूरे मामले से बचते नजर आए।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 178 मरीजों को मिला उपचार

देवीपुर सीएचसी प्रभारी की पहल से मरीजों को मिला अच्छा इलाज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के मलासा विकासखंड स्थित देवीपुर सीएचसी के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में कुल 178 मरीजों का उपचार कर उन्हें निशुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर अधिकारियों ने मेले का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा लोगों को बीमारी से बचाव के महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए गए।

रविवार को देवीपुर सीएचसी के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया।बरौर कस्बा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर अलग अलग रोग से पीड़ित कुल 64 मरीजों का उत्तम उपचार कर उन्हें निशुल्क दवा वितरित की गई।वही मलासा में 53 तथा जरसेन में 61 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की गई।इस अवसर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ विकास ने बरौर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर वहां की साफ सफाई तथा चिकित्सा व्यवस्था को परखा तथा मौजूद मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।प्रभारी चिकित्साधिकारी ने लोगों को बीमारी से बचाव के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने मौसम परिवर्तन के चलते लोगों को बीमारी के प्रति एहतियात बरतने की सलाह दी।अत्यधिक शीत में घर से बाहर निकलते समय गर्म कपड़े पहनने तथा बीमारी की स्थित में योग्य चिकित्सक से संपर्क कर जांच उपरांत ही दवा का सेवन करने की बात कही। इस मौके पर डॉक्टर रुचि श्रीवास्तव, डॉक्टर आफताब आलम, फार्मासिस्ट सुधीर कुमार, फार्मासिस्ट अनिल कुमार, त्रिलोकी नाथ, राम प्रताप,शिवम, फहीम, दिव्यांशी, एलटी निधि पटेल, योगेश शुक्ला, संगिनी रीता, ललिता,सुरेश कुमार आदि स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

विदेशी दंपति ने धर्मगढ़ बाबा मंदिर में टेका मत्था

विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध धर्मगढ़ बाबा मंदिर में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब फ्रांस से आए एक विदेशी दंपति ने मंदिर पहुंचकर बाबा के चरणों में मत्था टेका और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में पूजा के दौरान विदेशी दंपति पूरी श्रद्धा में लीन नजर आया। उन्होंने बाबा के दर्शन के बाद हर हर महादेव के जयकारे लगाए, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। उनकी सादगी और आस्था को देखकर वहां मौजूद श्रद्धालु भी भावविभोर हो गए।मंदिर के पुजारियों ने बताया कि धर्मगढ़ बाबा मंदिर की ख्याति दूर-दूर तक है और यहां देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना बाबा अवश्य पूर्ण करते हैं। विदेशी दंपति ने मंदिर की आध्यात्मिक शांति, परंपराओं और आस्था की सराहना करते हुए कहा कि यहां आकर उन्हें विशेष मानसिक शांति का अनुभव हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही और सभी ने इस पल को यादगार बताया।

बॉलीवॉल प्रतियोगिता: बरौर को हराकर सैफई की टीम बनी चैम्पियन

बरौर मे आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में हजारों की संख्या में उमड़े दर्शक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बरौर कस्बे में टाइटन क्लब के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय बॉलीवॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। बॉलीवॉल प्रतियोगिता के दूसरे और अंतिम दिन रविवार को सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले गए। फाइनल मुकाबला सैफई और बरौर टीमों के मध्य खेला गया।मुकाबले में सैफई ने बरौर को परास्त कर फाइनल का खिताब जीता। समारोह के समापन पर मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों ने विजेता व उपविजेता टीमों को नगद पुरस्कार,ट्रॉफी व उपहार भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया।

टाइटन क्लब के मुख्य आयोजक सलीद सिद्दीकी ने बताया कि टाइटन क्लब के तत्वाधान में कस्बे में यह पांचवां आयोजन था। प्रतियोगिता के दूसरे व अंतिम दिन रविवार को रायबरेली,दिल्ली,फिरोजाबाद ,आजमगढ़, बांदा,लखनऊ,कानपुर,इत्यादि जिलों की टीमों ने प्रतिभाग किया। पहला क्वार्टर फाइनल मैच में फिरोजाबाद ने रायबरेली को पराजित कर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में सैफई ने लखनऊ को परास्त कर सेमी फाइनल में जगह बनाई।

तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच में दिल्ली ने कानपुर को परास्त किया। वहीं चौथा क्वार्टर फाइनल मैच में निजामी क्लब बरौर ने बांदा को हराया। इसके बाद सेमीफाइनल मैच में सैफई ने दिल्ली को मात देकर फाइनल मैच में प्रवेश किया।

दूसरे सेमी फाइनल में निजामी क्लब बरौर ने फिरोजाबाद टीम को शिकस्त देकर फाइनल मैच में जगह बनाई। प्रतियोगिता का फाइनल सैफई और बरौर टीमों के मध्य हुआ। इस रोमांचक मुकाबले में सैफई की टीम ने बरौर की टीम को 25.21,23.25 तथा 25.23 से पराजित कर फाइनल मैच जीत लिया।

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख स्वतंत्र पासवान तथा विशिष्ट अतिथियों जिला पंचायत सदस्य संजय सचान,जिला पंचायत सदस्य सीमा संखवार,जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी हाजी फैजान,जिला मंत्री भाजपा डिम्पल सचान,आलोक सचान संचालक लोकप्रिय हॉस्पिटल,बसपा नेत्री शालिनी गौतम,चंद्रभान सिंह प्रबंधक बाल शक्ति हायर सेकेंडरी स्कूल बरगवां,रुबीना कुरैशी समाजवादी पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ,डॉक्टर सुदेश यादव बॉम्बे हॉस्पिटल ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व नगद पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

खेल प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका राष्ट्रीय रेफरी अजय सिंह चंदेल व अजीत त्रिवेदी,स्टेट रेफरी रीतेश सचान व अर्पित ने निभाई। कमेंट्रेटर की भूमिका नृपेंद्र सचान,जेडी सचान,तालिब,नागेश व सूर्यकांत मिश्रा ने निभाई।

संचालन राजनारायण उपाध्याय व निशांत सचान ने किया। टाइटन क्लब अध्यक्ष सलीद सिद्दीकी, अनवार, दीपक, अमरनाथ सचान, डॉक्टर सोनेलाल सचान,सत्येंद्र सचान प्रबंधक पटेल विद्यापीठ इंटर कॉलेज बरौर,डॉक्टर जनमेजय सचान,डॉक्टर महेंद्र सिंह,क्षेत्र पंचायत सदस्य राधा सविता,सियाराम काका, सर्वेंद्र सचान सचिव बॉलीवॉल फेडरेशन उत्तर प्रदेश,राष्ट्रीय रेफरी अनुज सचान,डॉक्टर आर एल सचान,जिला व्यापार मंडल अध्यक्ष अनुभव अग्रवाल,श्रीवास्तव, अनस कुरैशी,शंकर सिंह ,समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष अरुण

कुमार बबलू राजा,डॉक्टर प्रतीक सचान,डॉक्टर उमेश सचान,जगत सिंह बाबा होटल,संजय सचान पुखरायां समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने मौजूद रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

रूरा में अवैध खनन पर प्रशासन हरकत में, मचा हड़कंप, ट्रैक्टर सीज

» नहर पटरी से बालू खनन के मामले में सभासद पर भी गिरेगी गाज

» सबसे बड़ा सवाल उठ रहा कि अब तक एफआईआर क्यों नहीं लिखी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। स्वराज इंडिया में अवैध बालू खनन को लेकर प्रकाशित खबर का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। तहसील अकबरपुर के रूरा थाना क्षेत्र में नहर पटरी से बालू और मिट्टी खनन करने वाले माफियाओं के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को खनन में संलिप्त एक ट्रैक्टर को सीज कर दिया गया, जिससे खनन माफियाओं में हडक़ंप मच गया है। वहीं सैकड़ों बीघा जमीन जलमग्न हो गई है। इससे इलाके के कई किसान परेशान हैं।

सूत्रों के अनुसार, रूरा और तिगांई गांव के आसपास लंबे समय से बड़े पैमाने पर अवैध बालू खनन किया जा रहा था। स्वराज इंडिया द्वारा इस अवैध कारोबार को उजागर किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। बताया जा रहा है कि नहर पटरी से खनन कराने के आरोपों में नगर पंचायत रूरा के सभासद संजय यादव पर भी कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

सिंचाई विभाग की भूमिका भी जांच के घेरे में

खबर सामने आने के बाद स्थानीय पुलिस के साथ-साथ सिंचाई विभाग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नहरों और रजवाहों की मिट्टी निकाले जाने के बावजूद विभागीय स्तर पर समय रहते कोई ठोस कार्रवाई न होना संदेह पैदा कर रहा है। उच्चाधिकारियों ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच के लिए जेई को मौके पर भेजा है। अवैध खनन से त्रस्त ग्रामीणों का कहना है कि खेतों की मेड़ें कमजोर होना, नहर पटरी कटना और पर्यावरणीय संतुलन बिगडऩा लंबे समय से चिंता का विषय रहा है, लेकिन उनकी शिकायतें अब तक अनसुनी की जाती रहीं।

सबसे बड़ा सवाल एफआईआर अब तक क्यों नहीं ?

प्रशासन ने एक ट्रैक्टर सीज कर कार्रवाई की शुरुआत की है, लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि इतने गंभीर मामले में पुलिस विभाग द्वारा अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई ह

ै ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि जब अवैध खनन पकड़ा गया, वाहन सीज हुआ और नहर पटरी को नुकसान पहुंचा, तो फिर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने में देरी किसके दबाव में की जा रही है? रूरा नगर पंचायत का एक सभासद पर खनन के सीधे आरोप लगे हैं। पीड़ित किसानों ने साफ तौर पर मांग की है कि केवल ट्रैक्टर सीज करना पर्याप्त नहीं है। जिन सिंचाई विभाग के जेई और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों ने नहरों की देख-रेख नहीं की, उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

किसानों का कहना है कि विभागीय लापरवाही और पुलिस की ढिलाई के चलते ही खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हुए, जिससे नहर पटरी को नुकसान पहुंचा और फसलें बर्बाद हुईं। अब पूरे मामले में निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन और पुलिस कब तक केवल कार्रवाई का दिखावा करती रहेगी और कब अवैध खनन के पूरे नेटवर्क पर एफआईआर दर्ज कर निर्णायक प्रहार किया जाएगा। फिलहाल स्वराज इंडिया की खबर ने माफियाओं की नींद जरूर उड़ा दी है, लेकिन इंसाफ की असली कसौटी एफआईआर और गिरफ्तारी से ही तय होगी।

रूरा में नहर तटीय अवैध खनन से तबाही, सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल बर्बाद

नहर ओवरफ्लो से निर्माणाधीन पुल को भी भारी क्षति, किसानों में आक्रोश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। अकबरपुर तहसील क्षेत्र के बनवारीपुरवा तिगांई गांव के समीप सिंचाई विभाग की घोर लापरवाही और खनन माफियाओं की मनमानी ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। नहर के किनारे अवैध रूप से की गई मिट्टी खुदाई के चलते नहर की पटरी कट गई, जिससे नहर का पानी उफनाकर खेतों और निर्माणाधीन पुल में घुस गया।नहर ओवरफ्लो होने से सैकड़ों बीघा में खड़ी गेहूं की फसल जलमग्न होकर पूरी तरह नष्ट हो गई। किसानों का कहना है कि खाद-बीज और सिंचाई पर लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद उनकी पूरी फसल बर्बाद हो गई, जिससे वे आर्थिक तंगी के कगार पर पहुंच गए हैं।

करोड़ों की लागत से बन रहा पुल भी क्षतिग्रस्त

स्थानीय लोगों और राहगीरों के अनुसार अचानक आए पानी के सैलाब ने करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे निर्माणाधीन पुल को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। पुल के बेस और ढांचे में पानी भरने से निर्माण गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

खनन माफियाओं पर गंभीर आरोप

किसानों ने आरोप लगाया कि नहर के किनारे-किनारे अवैध खनन कर मिट्टी निकाली गई, जिससे पटरी कमजोर हुई और कटान हुआ। जब किसानों ने इसका विरोध किया तो खनन माफियाओं द्वारा उन्हें धमकियां दी गईं।

पीड़ित किसानों का कहना है कि उन्होंने समय रहते जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग को सूचना दी, लेकिन कोई मदद नहीं मिली।

मजबूर होकर किसानों ने स्वयं नहर की पटरी बांधने का प्रयास किया, ताकि और अधिक नुकसान रोका जा सके। किसानों में भारी रोष घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि समय रहते अवैध खनन पर कार्रवाई की जाती और नहर की निगरानी होती, तो न फसल बर्बाद होती और न ही सरकारी परियोजना को नुकसान पहुंचा है। किसानों का कहना है कि अवैध खनन करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो सिंचाई विभाग की लापरवाही की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाए फसल नुकसान का शीघ्र मुआवजा दिया जाए घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक अनदेखी और खनन माफियाओं की बेलगाम गतिविधियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नहर की कटी पटरी पर मिट्टी डालते स्थानीय ग्रामीण

पंचायत चुनाव से पहले इटावा में अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़

» आरोपियों के कब्जे से उन्नीस तमंचे, तीन पिस्टल, एक बंदूक, एक रिवाल्वर

» एक अधबना रिवाल्वर, चोरी की एक मोटरसाइकिल और हथियार बनाने के उपकरण बरामद

» मुठभेड़ में दो शातिर गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इटावा। पंचायत चुनाव से पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में बने और अधबने असलहे तथा अवैध कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार सत्यापन अभियान के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि बकेवर थाना क्षेत्र के इकनौर बीहड़ इलाके में अवैध असलहा फैक्ट्री संचालित की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जब वहां छापा मारा तो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद दोनों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सज्जन सिंह पुत्र विश्वनाथ निवासी सराय चौरी थाना भरथना और अभिषेक पुत्र राजेश निवासी निवाड़ी कला थाना बकेवर के रूप में हुई है। वहीं तीसरा आरोपी मुकेश कुमार मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से उन्नीस तमंचे, तीन पिस्टल, एक बंदूक, एक रिवाल्वर, एक अधबना रिवाल्वर, चोरी की एक मोटरसाइकिल और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए। जांच में सामने आया है कि यह अवैध असलहों की खेप पंचायत चुनाव में गड़बड़ी फैलाने के उद्देश्य से तैयार की जा रही थी।

इस मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिन पर पहले से ही गंभीर धाराओं में करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

उन्होंने आशंका जताई कि इस रैकेट से और भी लोग जुड़े हो सकते हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस अधीक्षक ने इस सफलता पर कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम को पच्चीस हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। बकेवर पुलिस की इस बड़ी कामयाबी की पूरे प्रदेश में चर्चा हो रही है।

स्कूल में सिख छात्र से मारपीट पगड़ी उतारने और जातिसूचक शब्द बोलने का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। मेरठ में वेस्ट एंड रोड स्थित सनातन धर्म इंटर कालेज में एक सिख छात्र से पांच-छह छात्रों ने मारपीट की। आरोप है कि उसकी पगड़ी खींचकर उतार दी। जातिसूचक शब्द भी कहे। छात्र के पिता ने पांच नामजद व तीन-चार अज्ञात छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। सीओ कैंट नवीना शुक्ला ने बताया कि भावनपुर के गांव पंचगांव पट्टी निवासी जगदेव सिंह ने बताया कि उनका बेटा सरबजीत सिंह सनातन धर्म इंटर कालेज वेस्ट एंड रोड में कक्षा 12 का छात्र है। आरोप है कि छात्रों का गुट उसके बेटे से रोज गाली गलौज व मारपीट करते हैं। 16 अक्टूबर को कक्षा 12 के पांच छात्रों ने सरबजीत से मारपीट की। उसकी पगड़ी उतारकर बाल खींचे। इसके बाद दो छात्रों को निलंबित भी कर दिया गया। निलंबित दोनों छात्रों ने रंजिशन अपने तीन साथियों के साथ मिलकर सरबजीत से मारपीट कर पगड़ी खींच दी। जान से मारने की धमकी दी। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उल्टा चलकर अयोध्या से उठी जनसंख्या नियंत्रण की आवाज

» 32 वर्षों से राष्ट्र को चेता रहे मेरठ के दिनेश-दिशा तलवार दंपत्ति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में आज एक अनोखा, लेकिन अत्यंत गंभीर संदेश देखने को मिला। मेरठ निवासी दिनेश तलवार और दिशा तलवार ने जनसंख्या नियंत्रण को लेकर अपना राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान अयोध्या से आगे बढ़ाया। लता मंगेशकर चौक से प्रारंभ हुए इस अभियान में दंपती उल्टा चलकर लोगों का ध्यान आकर्षित करते दिखे मानो यह बताने के लिए कि यदि अब भी नहीं चेते, तो समाज की दिशा ही उलट जाएगी।पिछले 32 वर्षों से लगातार यह दंपती देश के कोने-कोने में घूमकर जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता को जन-जन तक पहुंचा रहा है। उनका कहना है कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि आज देश के सामने सबसे बड़ी अदृश्य आपदा बन चुकी है, जिसका सीधा असर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यावरण और सामाजिक संतुलन पर पड़ रहा है। दंपती ने अयोध्या पहुंचकर भगवान श्रीराम के दर्शन किए और अपने अभियान की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया।

उल्टी चाल का प्रतीकात्मक संदेश

दिनेश तलवार ने बताया कि उल्टा चलना केवल एक प्रयोग नहीं, बल्कि प्रतीक है। हम समाज को यह दिखाना चाहते हैं कि अगर जनसंख्या पर नियंत्रण नहीं हुआ, तो आने वाली पीढ़ियों को सीधी राह नहीं, बल्कि उलटी परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। दिशा तलवार ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव महिलाओं, बच्चों और गरीब वर्ग पर पड़ता है। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं दबाव में हैं, रोजगार के अवसर सिमट रहे हैं और पर्यावरण लगातार कराह रहा है। दंपती ने इच्छा जताई कि उनका यह संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचे, ताकि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर और दीर्घकालिक नीति बने। उन्होंने कहा कि जैसे स्वच्छ भारत अभियान ने जनजागरण का रूप लिया, वैसे ही जनसंख्या संतुलन अभियान भी समय की मांग है।

चार्जशीट पूरी किए जाने के बावजूद न्यायालय नहीं भेजी

अयोध्या मेडिकल कॉलेज में आत्महत्या कांड

» अयोध्या पुलिस का नया कारनामा उजागर, शासन ने बैठाई जांच

» अयोध्या आत्महत्या कांड में एसपी सिटी, सीओ की भूमिका संदिग्ध

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। न्याय की चौखट तक पहुंचने से पहले ही अगर फाइलों पर पुलिसिया ब्रेक लग जाए, तो सवाल सिर्फ एक नहीं होते–पूरा सिस्टम कटघरे में खड़ा हो जाता है। अयोध्या कोतवाली में दर्ज मुकदमा संख्या 585/2024 अब ऐसा ही एक उदाहरण बनता जा रहा है, जहां एक मौत नहीं, बल्कि जांच की नीयत भी संदेह के घेरे में है। अयोध्या मेडिकल कॉलेज से जुड़े प्रभुनाथ मिश्रा की संदिग्ध मौत के मामले में पीड़ित परिवार ने एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का कहना है कि मुकदमे से दोषियों का नाम हटवाने के लिए उनसे लगातार शपथपत्र देने का दबाव बनाया जा रहा है।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जांच अधिकारी (आईओ) द्वारा चार्जशीट पूरी किए जाने के बावजूद उसे जानबूझकर न्यायालय नहीं भेजा जा रहा। परिवार का दावा है कि यह सब कुछ एसपी सिटी के दबाव में हो रहा है, ताकि केस कमजोर पड़े और आरोपी बच निकलें।

मामले ने तब और तूल पकड़ लिया, जब यह आरोप सामने आया कि चार्जशीट पूरी होते ही आईओ को लाइन हाजिर करा दिया गया। सवाल उठता है–क्या यह महज संयोग है या फिर सच को दबाने की रणनीति? पीड़ित परिवार ने पूरे मामले की शिकायत प्रमुख सचिव (गृह) और डीजीपी उत्तर प्रदेश से की। शिकायत का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने चार्जशीट में देरी और एसपी सिटी की भूमिका की जांच के आदेश दे दिए हैं।

मृतक प्रभुनाथ

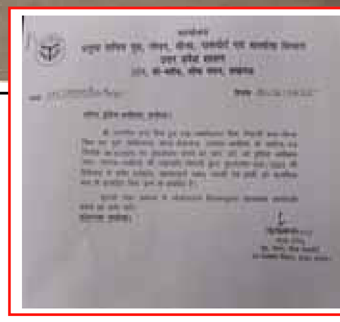

मुझ पर लगाए गए सभी आरोप निराधार और तथ्यहीन हैं। मामले की जांच विधि अनुसार चल रही है। किसी भी पीड़ित पर शपथपत्र देने का कोई दबाव नहीं बनाया गया है और न ही चार्जशीट रोकने का कोई निर्देश दिया गया है। शासन की जांच में सच्चाई स्वयं सामने आ जाएगी।

-चक्रपाणि त्रिपाठी
एसपी सिटी अयोध्या।

शासन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अयोध्या को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाए। साथ ही मृतक के पिता जगदीश मिश्र और भाई पर दबाव बनाने के आरोपों की भी पड़ताल होगी। इस पूरे प्रकरण में सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। पीड़ित जगदीश मिश्र का आरोप है कि पिछले 20 दिनों से चार्जशीट सीओ के पास दबी पड़ी है, जिसे जानबूझकर न्यायालय नहीं भेजा जा रहा। उनका कहना है कि लीपापोती कर दोषियों को बचाने की कोशिश हो रही है। शासन की सख्ती के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज है। अब सवाल यह नहीं कि आरोप लगे हैं या नहीं, सवाल यह है कि क्या शासन की जांच पीड़ित परिवार को न्याय दिला पाएगी, या फिर वर्दी की ताकत एक बार फिर सच पर भारी पड़ेगी?

धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया गया पूर्व प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय का जन्मदिवस

» मणिपर्वत क्षेत्र स्थित वृद्धा आश्रम में विशेष कार्यक्रम हुआ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या के प्रथम महापौर एवं श्री परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रबंधक ऋषिकेश उपाध्याय का जन्मदिवस सामाजिक सेवा और

धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर में सेवा, सद्भाव और संस्कार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मणिपर्वत क्षेत्र स्थित वृद्धा आश्रम में विशेष कार्यक्रम हुआ, जहां महाविद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार तिवारी के नेतृत्व में वृद्धजनों को मिष्ठान वितरित किया गया। वृद्धजनों ने इस पहल की सराहना की। इसके बाद पूर्व महापौर ने अपने परिवार के साथ निःशुल्क संस्कृत विद्यालय में अध्ययनरत बटुकों, संतों, महंतों व आचार्यों को भोजन प्रसाद कराया। उन्होंने कहा कि संस्कृत और सेवा की परंपरा ही भारतीय संस्कृति की पहचान है।

जन्मदिवस से पूर्व उन्होंने रामनगरी के प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन कर जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं अधिवक्ता आलोक सिंह सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक, शैक्षिक व नगर विकास में योगदान की सराहना की।

कोआपरेटिव बैंक इम्प्लाइज यूनियन यूपी के महामंत्री फिर बने सुधीर सिंह

» अयोध्या सहित प्रदेश में सहकारी बैंक कर्मचारियों में खुशी का माहौल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।कोआपरेटिव बैंक इम्प्लाइज यूनियन उत्तर प्रदेश का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन रविवार को वाराणसी के प्रताप पैलेस में संपन्न हुआ। अधिवेशन में हुए प्रांतीय चुनाव में सुधीर कुमार सिंह को सर्वसम्मति से पुनः महामंत्री चुना गया।

उनके दोबारा चुने जाने पर अयोध्या सहित प्रदेशभर में सहकारी बैंक कर्मचारियों में खुशी का माहौल है।चुनाव में अजय बर्मन अध्यक्ष, शेषनाथ यादव व योगेंद्र सिंह उपाध्यक्ष, तथा नागेंद्र कुमार सिंह उपमंत्री बने।

नई कार्यकारिणी में जितेंद्र प्रताप सिंह (अयोध्या) सहित अन्य पदाधिकारियों का भी चयन किया गया। बैठक में वेतन पुनरीक्षण, शीघ्र भर्ती, कंप्यूटरीकरण और वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग उठी।

मांगें न माने जाने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन का निर्णय लेने का अधिकार अध्यक्ष व महामंत्री को दिया गया।

जबरन भूमि अधिग्रहण किया नाममात्र का मुआवजा दिया!

» आवास विकास परिषद के खिलाफ किसानों का ऐलान, जमीन नहीं देंगे चाहे आंदोलन करना पड़े

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी के तिहुरा मांझा क्षेत्र में आवास विकास परिषद के खिलाफ किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। कल्लू के पुरवा स्थित काली माई के स्थान पर हुई बैठक में बड़ी संख्या में किसानों ने हिस्सा लेकर आवास विकास परिषद पर जबरन भूमि अधिग्रहण और नाममात्र मुआवजा देने की साजिश का आरोप लगाया।

किसानों का कहना है कि वे पीढ़ियों से इसी भूमि पर रहकर खेती-किसानी से जीवन यापन कर रहे हैं, जबकि आवास विकास परिषद हजारों किसानों की जमीन अधिग्रहीत करने की तैयारी में है। किसानों ने आरोप लगाया कि आसपास निजी कंपनियां 18 से 20 लाख रुपये प्रति बिस्सा की दर से जमीन खरीद रही हैं, लेकिन परिषद किसानों की जमीन बेहद कम कीमत पर छीनना चाहती है। किसानों की समस्याएं सुनने मौके पर पहुंचे अयोध्या धाम समाजसेवी संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने दो टूक कहा कि किसानों की जमीन किसी भी कीमत पर अधिग्रहित नहीं होने दी जाएगी। जरूरत पड़ी तो आंदोलन और संघर्ष होगा और संगठन किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। बैठक में मौजूद किसानों ने एक स्वर में ऐलान किया कि वे अपनी जमीन नहीं देंगे चाहे धरना देना पड़े या बड़ा आंदोलन करना पड़े। बैठक में प्रधान रामकरण यादव, विजय यादव, दुर्गा माझी, सोमई निषाद, रवि यादव, जुग्गी लाल यादव, राम किरपाल यादव, राजदेव यादव, रमेश यादव (क्षेत्र पंचायत सदस्य), सुग्रीव यादव, राज मंगल यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय किसान मौजूद रहे।

एजेंसी की जांच में शुभम जायसवाल के खिलाफ मिला अहम सुराग

ईडी का दावा: रैकेट में 700 से अधिक फर्जी फर्म से अरबों की हुई कमाई!

कफ सीरप कांड:

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

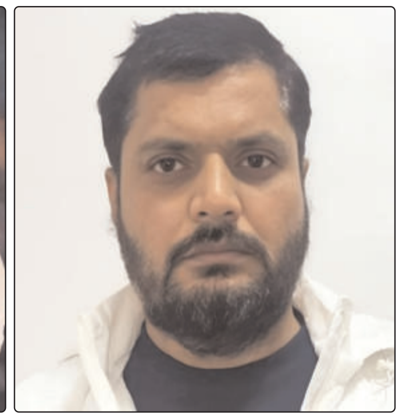

लखनऊ। ईडी की तीन प्रदेशों में 40 घंटे से अधिक की छापेमारी में कफ सिरप की काली कमाई का पूरा खेल सामने आ गया। अब तक मिले साक्ष्यों के मुताबिक 220 संचालकों के नाम से 700 से अधिक फर्में बनाई गईं। इनसे अरबों रुपये की कमाई की गई। सबसे दिलचस्प यह रहा कि इसमें अधिकतर फर्में सिर्फ कागजों पर ही रहीं। फर्मों में अधिकृत कई और लोग भी सिर्फ दस्तावेजों में ही पाए गए। ईडी सूत्रों का दावा है कि अभी कई और फर्मों को लेकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। ईडी सामने आए साक्ष्यों के आधार पर जल्दी ही सम्पत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू करेगी।

यूपी, गुजरात और झारखंड में 25 से अधिक ठिकानों पर हुई जांच में जिस तरह से फर्जीवाड़ा सामने आए, उससे ईडी के अफसर भी हैरत में पड़ गए हैं। ईडी अपनी जांच में यूपी के अंदर ऐसा फर्जीवाड़ा पहली बार मिलने की बात कह रही है। एक अधिकारी के मुताबिक जिस तरह से कदम-कदम पर फर्जीवाड़ा किया गया, उसने पूरे सिस्टम की भी पोल खोल दी है। फेंसेडिल सिरप बनाने वाली एक कम्पनी के कई अफसरों को इस बारे में पता था लेकिन उन्होंने चुप्पी साधे रखी। एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह ने अपनी जांच में कहा था कि एक दवा कंपनी के कई अधिकारी भी कार्रवाई के दायरे में आएंगे।

ईडी की जांच में शुभम, आलोक, अमित पर शिकंजा

एसटीएफ की पिछले साल जांच पूरी होने के बाद भी मास्टर माइंड शुभम जायसवाल, पूर्व सांसद के करीबी आलोक सिंह, अमित टाटा ने खुद को बचाने के लिए कई हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए थे। एसटीएफ ने जब अमित व आलोक को गिरफ्तार किया तो भी इन लोगों ने कोई परेशानी नहीं हुई। कोर्ट में ये आरोपी निश्चिंत दिखे थे लेकिन जैसे ही ईडी ने आलोक, अमित और शुभम के ठिकानों पर छापा मारकर साक्ष्य जुटाने शुरू किए, इनके खेमे में खलबली मच गई।

खातों से भी मिल रहे संदिग्ध लेन-देन, कई और नाम सामने आएंगे

ईडी सूत्रों का दावा है कि दुबई में छिपे मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल, आलोक सिंह, अमित टाटा के अलावा शुभम के पिता भोला प्रसाद जायसवाल के बैंक खातों में कई बड़े लेन-देन मिले हैं। इनमें से कुछ लेन-देन का पूरा ब्योरा नहीं मिल पाया है। फर्मों के नाम से खुले खातों में भी कुछ लेन-देन ऐसे हैं जिनका आगे का ब्योरा नहीं मिल रहा है। रांची और धनबाद में भी कुछ फर्मों से रकम का आदान-प्रदान हुआ है। इन सबको लेकर अभी ब्योरा जुटाया जा रहा है। इसी आधार पर कहा जा रहा है कि अभी कई और नाम के साथ ही कुछ और फर्जी फर्में सामने आएंगी। जीएसटी विभाग से भी इन फर्मों को लेकर सूची मिलने वाली है। इससे भी ईडी जांच का दायरा आगे और बढ़ाएगी।

ईडी को मुख्य आरोपियों में शामिल शुभम जायसवाल के करीबी परिजन की फर्म से दो करोड़ रुपये की रकम अयोध्या की कंस्ट्रक्शन कंपनी को ट्रांसफर करने के सुराग मिले हैं। अधिकारियों को शक है कि इस रकम से लैंड क्रूजर गाड़ी खरीदकर पूर्वांचल के माफिया रिश्तेदार को बतौर गिफ्ट दिया गया। ईडी वाराणसी की फर्म और अयोध्या की कंपनी के बीच मनी ट्रेल के सुराग तलाश रहा है।

द फैमिली मैन का को-स्टार निकला नशे का सौदागर

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। आगरा पुलिस ने वेब सीरीज में काम करने वाले एक कलाकार को पकड़ा है जो खतरनाक नशीले पदार्थ एमडीएमए की तस्करी और सप्लाई करता था। मान सिंह फर्जी और द फैमिली मैन जैसी वेब सीरीज में बतौर को-स्टार काम कर चुका है। मुंबई में ही रहने के दौरान आगरा में सूखे नशे का की सप्लाई यहां के युवाओं को करता था।

मान सिंह वैसे तो दिल्ली के राजौरी गार्डन का रहने वाला है। उसकी तलाश में जुटी एएनटीएफ को छानबीन में पता चला कि दिल्ली से मुंबई शिफ्ट हो गया है। वहां वेबसीरीज में काम करता है। उसे शुरू से फिल्मों में काम करने का चस्का था। छानबीन में पता चला कि आरोपित मान सिंह मुंबई के मरीना एनक्लेव बिल्डिंग मालवानी में रहता है। सूचना पर एएनटीएफ के उपनिरीक्षक विनोद कुमार टीम के साथ मुंबई पहुंचे। सहायक हीरो बनकर तस्करी करने वाले मानसिंह को गिरफ्तार कर लिया।

एसआईआर के काम में लगे एक और बीएलओ की हार्ट अटैक से मौत

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बरेली। यूपी में एसआईआर के काम में लगे बीएलओ की तबीयत बिगड़ने और उनकी मौत के मामले बढ़ते जा रहे हैं। कई जिलों में बीएलओ की मौत के केस सामने आ चुके हैं। अब बरेली में एक शिक्षक की मौत हुई है। शिक्षक की बीएलओ के तौर पर एसआईआर में ड्यूटी लगी थी। रविवार की देर रात उनको हार्ट अटैक पड़ गया और मौत हो गई। बीएलओ की मौत पर शिक्षक संघ ने काम के दबाव का आरोप लगाया है। बताते कि बरेली में बीएलओ की मौत का ये कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी दो लोगों की जान जा चुकी है। मझगवां ब्लॉक के कम्पोजिट स्कूल बिशारतगंज में विनोद शर्मा प्रधानाध्यापक पद पर तैनात हैं। 61 वर्षीय विनोद के परिवार में पत्नी के साथ दो बेटे और तीन बेटियां हैं। इन दिनों उनकी ड्यूटी एसआईआर को लेकर बीएलओ के तौर पर लगी है।

परिजनों के अनुसार रविवार की देर रात उनको हार्ट अटैक पड़ गया। परिजन जब तक उन्हें अस्पताल लेकर जाते रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। उनके निधन की सूचना पर शिक्षक संघ ने क?ी प्रतिक्रिया दी है। संघ का कहना है कि इंचार्ज होने के बाद भी विनोद की ड्यूटी लगा दी गई। उनके स्कूल में करीब आठ शिक्षक हैं। पहले दो लोगों की ड्यूटी लगी थी। 2027 में वह सेवानिवृत्त होने वाले थे। आरोप है कि इन लोगों ने जुगाड़ कर अपनी ड्यूटी कटवा ली। फिर अंत में विनोद को काम दे दिया गया। इससे पहले बरेली में 26 नवंबर को बीएलओ सर्वेश गंगवार की हार्ट अटैक से मौत हुई थी। सहायक की भूमिका निभा रहे अजय अग्रवाल का भी दो दिसम्बर को ब्रेन हेमरेज से निधन हो गया था। 46 वर्षीय सर्वेश कुमार प्राथमिक विद्यालय परधौली में तैनात थे। एसआईआर सर्वे के लिए उन्हें बीएलओ की जिम्मेदारी दी गई थी। 26 नवंबर को उनकी अचानक से तबीयत बिगड़ गई थी। मौके पर मौजूद सुपरवाइजर उन्हें अस्पताल ले जाने की जगह मौके से फरार हो गया, जिसके बाद स्थानीय लोग उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

यूट्यूब को बनाया गुरु, फैक्ट्री में बनाने लगा नकली दवाएं!

आठवीं फेल के कारनामें देख क्राइम ब्रांच के उड़े होश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गाजियाबाद। दिल्ली पुलिस की स्पेशल क्राइम ब्रांच ने रविवार को गाजियाबाद के लोनी स्थित मीरपुर इलाके में नकली मेडिकेटेड क्रीम बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब ढाई करोड़ रुपये की नकली बेटनोवेट-सी, क्लोप-जी और अन्य मेडिकेटेड स्क्रीन क्रीम बरामद की थीं। मौके से मशीनों समेत भारी मात्रा में पैकिंग सामग्री, तैयार-अधबना माल और रॉ मैटीरियल भी जब्त किया गया था। इस कार्रवाई में दो लोगों को गिरफ्तार किया जिन्होंने कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार दोनों आरोपी पढ़े-लिखे नहीं हैं, बल्कि आठवीं फेल हैं। इसके बावजूद उन्होंने यूट्यूब को अपना गुरु बनाकर नकली दवाइयां और मेडिकेटेड क्रीम तैयार करना सीख लिया। मुख्य आरोपी गौरव भगत ने पूछताछ में बताया कि वह पहले एक दवा कंपनी की दवाइयां सप्लाई करता था। इसी दौरान उसे नकली दवाई बनाने का आइडिया मिला। उसने सबसे पहले इंटरनेट पर वीडियो देखकर बेटनोवेट-सी और क्लोप-जी जैसी क्रीम बनाने का तरीका सीखा। इसके बाद उसने अपने साथी के साथ मिलकर छह साल पहले इस योजना पर काम शुरू किया।

उन्होंने आनंद पर्वत इलाके से ये क्रीम तैयार करने के लिए मशीनें खरीदीं और फैक्ट्री शुरू कर दी। नकली क्रीम बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल ये अलग-अलग राज्यों से मंगाते थे। भगत ने पुलिस को बताया कि शुरुआत में उन्होंने पहले कुछ ही लोगों को कम मात्रा में मार्केट में सप्लाई दी, लेकिन कुछ ही समय में इसकी डिमांड बढ़ती चली गई। आज यूपी और दिल्ली के अलावा कई राज्यों में उनकी इन नकली मेडिकेटेड क्रीम की सप्लाई है। बीते तीन माह से ये यहां लोनी के मीरपुर में इस फैक्ट्री को चला रहे थे।

जांच में यह भी सामने आया कि एक ट्यूब बनाने में महज डेढ़ से दो रुपये लागत आती थी। इन्हें होलसेल में 15 रुपये तक बेचा जाता था, जबकि बाजार में यही क्रीम 70 से 100 रुपये तक में बिकती थी। इसी अंतर से आरोपी मोटा मुनाफा कमा रहे थे और लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे थे।

क्राइम ब्रांच अधिकारियों का कहना है कि इस अवैध धंधे से दोनों आरोपियों ने करोड़ों की संपत्ति जुटाई है। अब उन संपत्तियों की जांच की जा रही है। जरूरत पड़ने पर आरोपियों की चल-अचल संपत्तियों को अटैच किया जाएगा। पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में लगातार पूछताछ कर रही है।